मूल्य 1 रु.

वर्ष: 9 - अंक : 215, मुंबई, शुक्रवार, 8 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

मुख्यमंत्री बनने की अटकलों पर गडकरी ने कहा- मैं दिल्ली में ही खुश

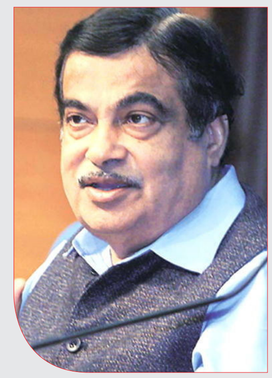

राज्य में फडणवीस सरकार बनाएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर गतिरोध जारी है। गुरुवार को नागपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलों का खंडन किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा- मैं दिल्ली में ही खुश हूं और वहीं अपना काम जारी रखूंगा। मेरे महाराष्ट्र वापस आने का सवाल ही नहीं है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस जी के नेतृत्व में ही सरकार बनेगी। नागपुर के रहने वाले गडकरी संघ प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात करेंगे। (शेष पृष्ठ 5 पर)

फैसले से पहले : अयोध्या में 4 हजार अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे

केंद्र का राज्यों को अलर्ट

8 अस्थाई जेल बनीं

नई दिल्ली। अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 17 नवंबर से पहले आने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने फैसले से पहले देश के सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने को कहा है। केंद्र ने अर्धसैनिक बलों के 4,000 जवान भी उत्तर प्रदेश के लिए रवाना कर दिए हैं। वहीं अयोध्या में प्रशासन ने 10 दिसंबर तक धारा-144 लागू कर दी है। पड़ोसी जिले अंबेडकर नगर में 8 अस्थायी जेल बनाई गई हैं। ये सभी जेल, कॉलेजों में बनाई गई हैं।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

अयोध्या में 10 दिसंबर तक धारा-144 लागू, जिले को चार जोन- रेड, येलो, ग्रीन और ब्लू में बांटा गया

सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार या भड़काऊ कंटेंट पर नजर रखने के लिए 16 हजार वॉलंटियर तैनात

16000 वॉलियंटर्स तैनात

अयोध्या पुलिस ने सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार या किसी भी सम्प्रदाय के खिलाफ भड़काऊ कंटेंट के प्रसार पर नजर रखने के लिए जिले के 1600 स्थानों पर 16 हजार वॉलंटियर तैनात किए हैं। गड़बड़ी रोकने के लिए 3000 लोगों को चिह्नित करके उनकी निगरानी की जा रही है।

हमारी तैयारियां पूरी: डीएम

अयोध्या के डीएम अनुज कुमार ने कहा कि प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि फैसले के मद्देनजर विवादित जगह के आसपास रहने वाले लोग घरों में राशन जमा कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि सामान्य जीवन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। फैसले के बाद स्कूलों के खुलने के संबंध में भी बातचीत की जा चुकी है।

कड़ी सुरक्षा में पंचकोसी परिक्रमा

गुरुवार को अयोध्या में हर साल कार्तिक माह में होने वाली पंचकोसी (16 किमी) परिक्रमा शुरू हुई। इसमें तकरीबन 15 लाख श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। परिक्रमा में सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या में मौजूद फोर्स की 47 कंपनियों को यात्रियों की सुरक्षा में तैनात किया गया है।

महाराष्ट्र में रिजॉर्ट पॉलिटिक्स

शिवसेना ने विधायकों को होटल भेजा

उद्धव बोले- भाजपा से गठबंधन तोड़ने का इरादा नहीं

9 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा, इससे पहले राज्य में सरकार का गठन जरूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच 16वें दिन भी गतिरोध जारी है। इस बीच, राज्य में रिजॉर्ट पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। मातोश्री पर शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में पार्टी विधायकों की बैठक हुई। इसके बाद सभी विधायकों को बांद्रा के एक होटल में भेज दिया गया। एक घंटे तक चली इस बैठक में शिवसेना विधायकों सत्ता भागीदारी के 50-50 फॉर्मूला पर अड़े रहे।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

राकांपा का सरकार बनाने से इनकार

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि बीजेपी-शिवसेना राज्य में सरकार बनाएं। हमें जनता ने विपक्ष के लिए चुना है, हम विपक्ष में ही बैठेंगे। मेरे पास अभी कहने के लिए कुछ नहीं है। भाजपा-शिवसेना को लोगों का जनादेश मिला है, इसलिए उन्हें जल्द से जल्द सरकार बनानी चाहिए। हमारा जनादेश विपक्ष की भूमिका निभाना है। पवार ने कहा- अब केवल एक ही विकल्प है कि भाजपा और शिवसेना को मिलकर सरकार बनाना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

माहुल विवादः विस्थापितों का नया ठिकाना होगा चेंबूर

मुंबई। प्रॉजेक्ट प्रभावितों का नया ठिकाना माहुल की बजाय चेंबूर में होगा। माहुल में जारी विवाद के बीच बीएमसी ने चेंबूर में प्रॉजेक्ट प्रभावितों के लिए बने घर (पीएपी) के तीन बड़े प्रॉजेक्ट से इस समस्या का हल निकालने का फैसला किया है। चेंबूर नाके के पास के इन प्रॉजेक्ट में बनी बिल्डिंगों की छुट-पुट मरम्मत का कार्य शुरू है और कुछ का पूरा भी हो चुका है। मॉनसून के बाद अब आने वाले दिनों में बीएमसी प्रॉजेक्ट की राह में आने वाले लोगों को इन्हीं ठिकानों पर बसाने की तैयारी में है।

पाइप लाइन के किनारे बसे स्लम हटाकर साइकल ट्रैक बनाने के अटके प्रॉजेक्ट को फिर से गति देने की तैयारी हो रही है। इस संदर्भ में सोमवार को बैठक भी हुई। केवल तीन वॉर्ड में ही स्लम बचे हुए हैं, बाकी जगहों से रास्ता साफ किया जा चुका है। एक वॉर्ड ऑफिसर ने कहा कि हमने सर्वे का काम शुरू किया है, पुलिस सुरक्षा की उपलब्धता के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तोड़क कार्रवाई से पहले लोगों को वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

दफ्तर आता रहा पर दिखाया गैरहाजिर, तनख्वाह भी नहीं मिली

मुंबई। इस देश में रेलवे की प्रणाली को ब्रिटिश ने विकसित किया। अंग्रेज चले गए, लेकिन रेलवे के कुछ अफसरों में अंग्रेजों का रवैया नहीं गया। कुछ ऐसे ही रवैये का शिकार हुआ है 22 साल का रमाकांत यादव, जो पिछले कुछ सालों से पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी के बंगले में चपरासी के तौर पर काम करता था।

यादव के अनुसार, अधिकारी एस.आर. बारापात्रे के पास 3 साल तक काम करने के बाद जबसे उनका भावनगर तबादला हुआ है, तबसे उसे ऑफिस जाने के बावजूद अनुपस्थित दिखाया जा रहा है। उसकी पगार रोक दी गई है और न्याय कहां मांगे, इसका कोई ठिकाना नहीं मिल रहा है। रमाकांत यादव ने बताया कि 11 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के सामने अनिश्चितकाल तक भूख हड़ताल करेगा।

मुंबई के बधवार पार्क में रमाकांत जब अफसर के घर में काम कर रहा था, तब उसकी मां को कैंसर हो गया। मां मुंबई में ही टाटा हॉस्पिटल में एडमिट थीं, लेकिन उनसे रमाकांत को कथित तौर पर मिलने नहीं जाने दिया। बकौल रमाकांत, अफसर और मैडम हमेशा उसको काम में उलझाए रखते थे। मां की मौत होने के बावजूद उसे जाने नहीं दिया गया। इस मामले में एनबीटी ने अधिकारी बारापात्रे से बात की। उन्होंने बताया कि इंसानियत के नाते उन्होंने ही यादव की मां को मुंबई लाने का सुझाव दिया था। उन्होंने इस केस में हमेशा मदद की थी। इलाज के लिए एनजीओ तक की मदद लेने का प्रस्ताव दिया था।

कमजोर पड़ा 'महा', बारिश की कम संभावना

मुंबई। चक्रवाती तूफान महा के कमजोर पड़ने के बाद मौसम जानकारों ने महाराष्ट्र में कम बारिश की संभावना जताई है। मिली जानकारी के अनुसार, महा गुरुवार को गुजरात के तटीय इलाकों से टकराने वाला था, लेकिन बुधवार से चक्रवात के कमजोर होने के कारण अब इसके टकराने की संभावना एकदम कम है।

मौसम का पूर्वानुमान करने वाली निजी संस्था स्काइमेट के प्रमुख महेश पलावत ने कहा कि तट पर पहुंचने से पहले ही महा कमजोर हो गया है। नतीजतन महाराष्ट्र में हल्की बारिश हो सकती है। अब इसका असर गुजरात में भी बहुत अधिक देखने को नहीं मिलेगा।

शिवसेना ने जताई खरीद-फरोख्त की आशंका,

कहा- थैली की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं कुछ लोग

मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन के लिए बेहद कम वक्त बचा है लेकिन तस्वीर अभी भी पूरी तरह साफ नहीं है। गुरुवार का दिन महाराष्ट्र में सियासी हलचलों से भरा रहने वाला है। एक ओर बीजेपी नेता राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात करेंगे, तो दूसरी ओर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पार्टी के सभी नवनिर्वाचित विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इस बीच शिवसेना ने एक बार फिर हुंकार भरते हुए कहा है कि जनता की मांग है कि महाराष्ट्र में शिवसेना का ही मुख्यमंत्री होना चाहिए।

अपने विधायकों के टूटने के डर से शिवसेना अब और भी ज्यादा आक्रामक हो गई है और अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय के जरिए बीजेपी पर

सीधा हमला बोला है। सामना में शिवसेना ने कहा है कि कुछ लोग नए विधायकों से संपर्क कर थैली की भाषा बोल रहे हैं।

सामना के संपादकीय पेज पर बीजेपी पर निशाना साधते हुए लिखा गया है, 'बीजेपी जिस महायुति (महागठबंधन) की बात कर रही है, उसमें शामिल कई दलों के एक भी विधायक नहीं हैं। बगैर विधायकों का महामंडल परसों राज्यपाल से मिला और सरकार गठन के बारे में चिंता व्यक्त की। यह चिंता राज्य की कम, अगली सरकार में अपनी क्या स्थिति होगी, इस पर ज्यादा थी।'

इसमें आगे लिखा है, 'निवर्तमान कई मंत्री चिंतित हैं। उन्हें भी अपनी सरकारी गाड़ी, घोड़ा, बंगला जाने की चिंता है लेकिन राज्य की जनता एक सुर में मांग कर रही है कि कुछ भी हो महाराष्ट्र में शिवसेना का ही मुख्यमंत्री होना चाहिए।' शिवसेना ने आगे खरीद-फरोख्त की आशंका जताते हुए कहा, 'जिनका बीजेपी से रत्ती भर भी संबंध नहीं है, ऐसे कुछ पतित नए विधायकों से संपर्क करके थैली की भाषा बोल रहे हैं।'

नाबालिग से बलात्कार और हत्या के दोषी को उम्रकैद

ठाणे। महाराष्ट्र में 17 वर्षीय एक लड़की से बलात्कार और उसकी हत्या करने के जुर्म में कोर्ट ने एक किसान को उम्रकैद की सजा सुनायी है। मामला वर्ष 2014 का है। जिला न्यायाधीश एचएम पटवर्धन ने सोमवार को शंकर भोगडे को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 376 (बलात्कार), 302 (हत्या), 201 (अपराध के सबूत मिटाने) और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया।

न्यायाधीश ने दोषी पर 5,500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक उज्ज्वल मोहोलकर ने अदालत को बताया कि ठाणे के जवाहर तालुक से आने वाला किसान शादीशुदा था, लेकिन उसका लड़की से भी संबंध था। भोगडे ने लड़की का कई बार बलात्कार किया और वह गर्भवती हो गई। आरोपी ने उसे गर्भपात के लिये एक गोली खाने को दी। आरोपी ने 20 जुलाई 2014 को पीड़िता को जहर मिला पेय पदार्थ पीने को दिया और कहा कि उसने

इसमें गर्भपात की गोली मिलायी है।

वकील ने कोर्ट में बताया कि पेय पदार्थ पीने के बाद लड़की बेहोश हो गयी, जिसके बाद आरोपी ने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को खिड़की की छड़ से फंदा लगाकर लटका दिया ताकि ऐसा प्रतीत हो कि यह आत्महत्या का मामला है।

आरोपी ने उसकी नोटबुक में एक फर्जी सूइसाइड नोट भी रख दिया, जिसमें किसी अन्य व्यक्ति पर आरोप लगाया गया था और यह कहा गया था कि वह जहर खाकर आत्महत्या कर रही है। हैंडराइटिंग एक्सपर्ट्स ने अदालत में यह साबित किया कि सूइसाइड नोट फर्जी है और अपराध छिपाने के लिए आरोपी ने ही इसे लिखा था।

रेलवे कोटा का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

मुंबई। मध्य रेलवे के ऑपरेशन धनुष के तहत टिकटों की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस बार वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रियायत के नाम पर रेलवे से जालसाजी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विशेष दल द्वारा पता लगाया गया है कि 492 मामलों में फर्जी आईडी पर वरिष्ठ नागरिकों के रूप में यात्रा की गई थी। इनमें से सभी टिकट इंटरनेट से बुक करके अन्य लोगों को हस्तांतरित किए गए थे। इसके अलावा कुछ मामलों में वरिष्ठ नागरिकों के साथ नकली आधार कार्ड साथ ले जाने वाले यात्रियों सहित नकली उम्र और वरिष्ठ नागरिक कोटा दिया गया था। इस तरह के मामलों से जुर्माने के रूप में 3,94,155 रुपये वसूल किए गए।

सुलझ नहीं, सुलग रही है वसई डंपिंग ग्राउंड की समस्या

वसई। वसई (पूर्व) का भोयदापाडा स्थित गोखिवरे डंपिंग ग्राउंड पिछले कई दिनों सुलग रहा है। शहर का कचरा आस-पास रहने वालों को बीमारियों के मुंह में धकेल रहा है। वहीं, सालों से अधर में लटकी डंपिंग ग्राउंड प्रक्रिया आज भी जस की तस है। वसई-विरार शहर मनपा की ओर से भोयदापाडा स्थित गोखिवरे में बनाए गए एकमात्र डंपिंग ग्राउंड में हर रोज 1 सौ 25 ट्रक यानी 600 सौ टन कचरा डाला जाता है। यहां कचरे के पहाड़ बन गए हैं। यहां आस-पास सैकड़ों लोग रहते हैं।

बारिश के दिनों को छोड़कर यहां अक्सर आग लग जाती है, जिससे क्षेत्र में रहने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कचरे से निकलने वाले जहरीले धुएं से लोगों में सांस की तकलीफें, दमा, खांसी, टीबी, आंखों में जलन,

पेट दर्द, उल्टी जैसी बीमारियां तेजी से पांव पसार रही हैं। दूसरी ओर, मनपा की गीला कचरा और सूखा कचरा सुधार प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है। इससे वसई तालुका में रह रहे 30 लाख से अधिक लोगों की चिंता धीरे-धीरे बढ़ने लगी है।

सुलगते डंपिंग ग्राउंड के बगल ही भोयदापाडा, गोखिवरे, वाघरल पाडा व वालीव क्षेत्र हैं। आस-पास घनी बस्ती है। डंपिंग में आग लगने के बाद हवा के रुख के साथ जब भी धुआं घूमता है, तो लोगों के घरों में भी भर जाता है। इस दौरान घर में मौजूद छोटे बच्चों को सांस लेने की समस्या, खांसी व आंखों में जलन जैसी तकलीफें होती हैं। पास में ही जिला परिषद के 2-3 स्कूल हैं। दोपहर के समय स्कूल के कमरों में धुआं भर जाने से बच्चों को पढ़ाई के दौरान दिक्कत होने लगती है। इन गरीब बच्चों के सामने शिक्षा का दूसरा कोई विकल्प न होने की वजह से मजबूरन स्वास्थ्य को खतरे में डालकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। पिछले 5 साल में यहां लाखों टन कचरा जमा किया गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भागवत, उद्धव के बीच अभी कोई बातचीत नहीं हुई : राउत

मुंबई। शिवसेना के नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बीच अब तक कोई बातचीत नहीं हुई है। राउत ने ठाकरे की शिवसेना विधायकों के साथ बैठक से पूर्व संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी और विपक्षी कांग्रेस एवं राकांपा के विधायक पाला नहीं बदलेंगे। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, भागवत और ठाकरे के बीच अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। यह पूछे जाने पर कि राज्य में सरकार गठन को लेकर बने गतिरोध के बीच क्या उनके विचार पार्टी के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्होंने कहा, मैंने शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के विचारों को सामने रखा। पोर्टफोलियो के समान आवंटन और मुख्यमंत्री पद साझा करने की शिवसेना की मांग को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच गतिरोध बना हुआ है। भाजपा ने ढाई-ढाई साल के

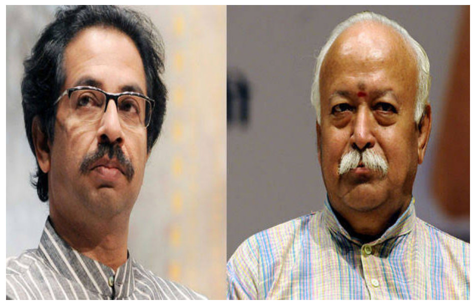

लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की शिवसेना की मांग खारिज कर दी है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल नौ नवंबर को समाप्त होगा। दोनों दलों के सूत्रों ने बुधवार को कहा था कि दोनों दलों के बीच पीछे के दरवाजे से बातचीत चल रही है और सफलता मिलने की उम्मीद है।

बीजेपी झुकेगी या शिवसेना?

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिरोध अब उस मुकाम पर आ गया है, जब फैसला सिर्फ एक कदम दूर है। सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली महायुति के पास फैसले के अब सिर्फ तीन विकल्प बचे हैं। बीजेपी या तो शिवसेना की मांग के आगे झुके, या फिर शिवसेना बीजेपी की जिद के आगे झुके। अगर दोनों झुकने को तैयार नहीं होते, तो तीसरा विकल्प अपनाना होगा, जो राज्य में राष्ट्रपति शासन का होगा। महायुति के पास फैसला लेने के लिए अब सिर्फ एक दिन बचा है। इसलिए गुरुवार को राजनीतिक घटनाक्रम में तेजी से बदलाव आने की उम्मीद जताई जा रही है।

बीजेपी नेता गुरुवार को राज्यपाल से मिलने जा रहे हैं। खास बात यह है कि राज्यपाल से मिलने जाने वाले बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीजेपी विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस नहीं, बल्कि प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील करने वाले हैं।

संजय राउत ने कहा कि यदि बीजेपी नेता राज्यपाल से मिलते हैं, तो उन्हें सरकार बनाना चाहिए, क्योंकि बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है

1 गड्ढा भरने का खर्चे 24 हजार, फिर भी नहीं मिली राहत

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने बारिश से पहले और बाद में सड़क के 5,823 गड्ढे भरे हैं। मनपा के अनुसार, इस पर 17 करोड़ रुपये जारी हुए थे, जिसमें से 85 फीसद रकम खर्च हुई है। सड़क का एक गड्ढा भरने पर 24 हजार रुपये खर्च आया है। इतने खर्च के बाद भी गड्ढों से मुक्ति नहीं मिली है।

एक आरटीआई के अनुसार, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र में इस साल ज्यादा बारिश के कारण सड़कों की हालत खराब थी। बारिश के बाद क्षेत्र में 6,143 गड्ढे हुए, जिनमें से मनपा ने 5,823 गड्ढे भर दिए। इस पर लगभग 14 करोड़ 45 लाख रुपये खर्च हुए यानी एक गड्ढा भरने पर मनपा ने 24,800 रुपये खर्च किए। इतना पैसा खर्च होने के बाद भी क्षेत्र में गड्ढे अब भी हैं। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ है। हर साल होता है। इस बारे में आरटीआई कार्यकर्ता श्रीनिवास घाणेकर का कहना है कि आज भी कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र गड्ढे हैं, लेकिन निधि गायब हो जाती है। उन्होंने मनपा आयुक्त से मांग की है कि

इस संबंध में मनपा के अधिकारी-कर्मचारी और ठेकेदार पर मामला दर्ज किया जाए। बता दें कि गड्ढों की वजह से कल्याण-डोंबिवली मनपा क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती रही हैं, जिनमें लोगों की जान भी चली जाती है।

पिज्जा खराब निकला तो मांगा रिफंड, अकाउंट से कट गए 27,000 रुपये

मुंबई। पिज्जा की क्वॉलिटी पसंद ना आने पर मुंबई की युवती एक सीचा वाजपेयी ने रिफंड के लिए अप्लाइ किया था। उनको रिफंड के पैसे वापस तो मिले नहीं बल्कि उनके अकाउंट से 27,000 रुपये निकल भी गए। दरअसल, सीचा के कस्टमर केयर को कॉल करने के बाद ही उन्हें एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने सीचा को जो करने को कहा, वह करती गईं। इसके बाद कुछ ही देर में तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन्स के जरिए उनके अकाउंट से 27,000 रुपये कट गए।

3 नवंबर को दर्ज किए गए इस केस की जांच कर रही पवई पुलिस को पता चला कि कस्टमर केयर नंबर को हैक किया गया था। जालसाजों ने इस नंबर को अपने नंबर से बदल दिया था। 27 अक्टूबर को सीचा वाजपेयी ने आईआईटी पवई क्वॉर्टर्स से रात के करीब 8 बजे पिज्जा ऑर्डर किया था। शिकायत के मुताबिक, पिज्जा खराब निकलने पर सीचा ने पहले ऐप से शिकायत दर्ज कराई। जवाब ना मिलने पर

उन्होंने कस्टमर केयर को फोन किया। जालसाजों ने उन्हें एक लिंक भेजा, जिसमें उन्हें अपनी जानकारी भरने को कहा गया। जैसे ही सीचा ने यह फॉर्म भरा, उनके खाते से पैसे कट गए। दरअसल, सीचा की गलती यह थी कि उन्होंने कस्टमर केयर को कॉल करने के लिए नंबर गूगल सर्च से निकाला। जो नंबर उन्हें मिला, उसपर फोन नहीं उठा। हालांकि, कुछ ही देर में उन्हें एक दूसरे नंबर से फोन आया और उसने खुद को फूड सर्विस के कस्टमर केयर का आदमी बताया। सीचा की बात सुनकर उसने पैसे वापस करने की बात कही और एक लिंक भेज दिया। सीचा ने इस लिंक पर अपना यूपीआई पिन भी डाल दिया, जिसके चलते उनके पैसे कट गए। बाद में वह नंबर भी बंद हो गया।

मेट्रो 6-7 के निर्वासितों को जोगेश्वरी में ही बसाया जाएगा

मुंबई। जोगेश्वरी में जारी मेट्रो और सड़क निर्माण कार्य के प्रभावितों का जोगेश्वरी में ही बसाया जाएगा। यह आश्वासन गृह निर्माण राज्य मंत्री रवींद्र वायकर ने मंगलवार को दिया। वायकर ने मेट्रो और मनपा अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना प्रभावितों का एक सप्ताह के भीतर सर्वे पूरा कर पात्र और अपात्र की सूची तैयार की जाए। इससे परियोजना प्रभावितों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इससे पहले प्रभावितों को माहुल गांव में पुनर्वसन करने की योजना थी।

जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेट्रो-6 और 7 का काम तेजी से शुरू है। मेट्रो-6 के तहत 13 स्टेशन बनने हैं। इसमें से कई जोगेश्वरी में बनेंगे। साथ ही जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड के चौड़ीकरण का काम भी शुरू है। इन दोनों परियोजनाओं के कारण हजारों लोग प्रभावित हो रहे हैं। मेट्रो और मुंबई महानगर पालिका प्रभावितों के पुनर्वसन के लिए क्या कर रही है, इस मुद्दे के हल के लिए वायकर ने मंगलवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। वायकर ने निर्देश दिया कि मेट्रो-6 लाइन के लिए जोगेश्वरी -विक्रोली लिंक रोड का जो फुटओवर ब्रिज तोड़ा जाना है, उस नुकसान की भरपाई मेट्रो, महानगरपालिका को देगी।

...तो फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना मुश्किल

मुंबई। अगर राज्य में राष्ट्रपति शासन लग गया या फिर विधानसभा कुछ समय के लिए निलंबित अवस्था में चली गई, तो देवेंद्र फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना मुश्किल हो जाएगा। इसकी वजह यह है कि राज्य की राजनीति में भीतर ही भीतर मराठा मुख्यमंत्री की मांग जोर पकड़ रही है। तमाम मराठा विधायक पार्टी लाइन से ऊपर उठकर लामबंद हो रहे हैं।

राजनीतिक जानकार ताजा राजनीतिक उठापटक के पीछे एक बड़ी वजह राज्य में हो रहा मराठा एकीकरण को भी मान रहे हैं। बीते पांच साल से हाशिये पर चल रहे मराठा नेता, चाहे वे किसी पार्टी के हों, फिर से मराठा मुख्यमंत्री बनाने की जुगत में लगे हैं। मराठा नेताओं को लगता है कि चाहे किसी दल का हो, लेकिन मराठा मुख्यमंत्री बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी कहना है कि इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा की सीटें घटने का भी सबसे बड़ा कारण यही रहा है, क्योंकि चुनाव में ओबीसी और मराठा दोनों वोट बैंक ने भाजपा का

साथ छोड़ा है और अपने-अपने जातिगत अभिमान के लिए वोट किया है। ओबीसी का वोट वंचित बहुजन आघाड़ी की तरफ सरक गया और मराठा वोट बैंक कांग्रेस-राकांपा की तरफ लौट गया। यही वजह के कांग्रेस-राकांपा को उम्मीद से ज्यादा सीटें मिलीं। भाजपा के वॉर रुम में बूथ दर बूथ के हिसाब से मतदान का सूक्ष्म आंकलन लगातार जारी है। जिसमें खुलकर सामने आया है कि मराठा वोट बैंक ने रणनीतिक तौर पर वोटिंग की है। यहां तक कि मराठा वोट बैंक ने सातारा में भाजपा उम्मीदवार छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयन राजे को हराकर और राकांपा के मराठा उम्मीदवार श्रीनिवास पाटील को जीताकर यह मैसेज दिया है कि मराठा भाजपा से नाराज हैं। यही संदेश ओबीसी ने पंकजा मुंडे को बीड में हराकर दिया है।

राकांपा क्षत्रप शरद पवार लंबे समय बाद महाराष्ट्र में मराठा कार्ड खेल रहे हैं। राकांपा के 54 में से 24 विधायक मराठा है, जबकि कांग्रेस में 17 विधायक मराठा चुनकर आए हैं। शिवसेना में भी 19 विधायक मराठा चुनकर आए हैं।

जाहिर है सब किसी भी मराठा के नाम पर एकजुट हो सकते हैं। कांग्रेस के दिल्ली के नेता भले ही कुछ भी समझे, लेकिन महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभावशाली मराठा नेता मराठा सीएम बनाने में हर संभव सहयोग को तैयार है। इसी लिए कांग्रेस आलाकमान को अलग-अलग स्तर पर समझाया जा रहा है कि भाजपा को दूर करने के लिए राकांपा-शिवसेना को समर्थन दे दिया जाए।

नीरव मोदी ने कोर्ट में कहा- भारत प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया तो आत्महत्या कर लूंगा

संवाददाता

नई दिल्ली। पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी (48) ने लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में बुधवार को कहा कि उसके भारत प्रत्यर्पण का आदेश दिया तो वह आत्महत्या कर लेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नीरव ने जेल में तीन बार हमला होने की बात भी कही। भारत सरकार के लिए पैरवी कर रही क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विसेज (सीपीएस) के वकील जेम्स लेविस कहा- नीरव के बयान से उसके फरार होने की मंशा का पता चलता है। नीरव की जमानत अर्जी बुधवार को पांचवीं बार खारिज हुई। जज एम्मा अबर्थनॉट ने कहा कि पिछली बातें भविष्य में संभावित घटनाओं का संकेत देती हैं। यह नहीं मान सकते कि नीरव गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा और अगले साल मई में होने वाली ट्रायल के वक्त पेश हो जाएगा। उसका डिप्रेशन में होना जमानत खारिज करने के पिछले आदेशों को प्रभावित नहीं कर सकता। जज ने नीरव की जमानत अर्जी में उसकी मानसिक स्थिति का जिक्र होने की बात भारतीय मीडिया में लीक होने को गंभीर और खराब बताया। उन्होंने

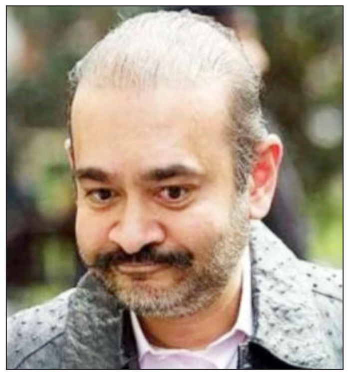

कहा कि गोपनीय मेडिकल रिपोर्ट लीक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे भारत सरकार के प्रति कोर्ट का भरोसा कम होगा। नीरव के वकीलों ने भारतीय जांच एजेंसियों पर जानकारी लीक करने का आरोप लगाया था। इस पर भारतीय पक्ष के वकील जेम्स लेविस ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट के तथ्य लीक होना अफसोसजनक है, लेकिन यह भारतीय पक्ष की ओर से नहीं हुआ। लेविस ने नीरव की जमानत याचिका को चुनौती देते हुए दलील रखी कि पिछली बार की अर्जियों के वक्त जो हालात थे, उनमें अब भी कोई बदलाव नहीं है। जमानत मिलने पर नीरव के यूके से भागने की आशंका बनी हुई है। नीरव ने वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में 30 अक्टूबर को चौथी बार जमानत अर्जी दाखिल की थी। उसने बेचैनी और निराशा में होने की बात कही थी। नीरव की जमानत याचिका यूके हाईकोर्ट से भी खारिज हो चुकी है। वह 7 महीने से लंदन की वांड्सवर्थ जेल में है। भारत की अपील पर प्रत्यर्पण वारंट जारी होने के बाद लंदन पुलिस ने 19 मार्च को उसे गिरफ्तार किया था। अगली पेशी 4 दिसंबर को वीडियोलिंक के जरिए होगी।

मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर घूम रहे 'यमराज'

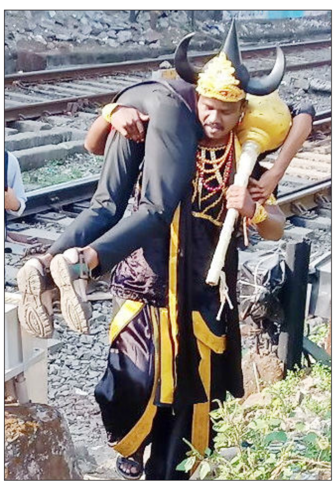

लोगों को समझा रहे जान की कीमत

संवाददाता

मुंबई। वेस्टर्न रेलवे ने यात्रियों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए रोचक तरीका अपनाया है। मुंबई के स्टेशनों पर यमराज के गेटअप में वालंटियर घूम रहे हैं। यह पटरी पार करने वाले यात्रियों को रोकते हैं और चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने वालों को टोकते हैं। यह वालंटियर लोगों को रेलवे के सुरक्षा नियमों के साथ-साथ उनकी जान की कीमत भी समझा रहे हैं। बुधवार से शुरू हुई रेलवे की इस मुहिम

का अच्छा रिस्पांस देखने को मिल रहा है। यमराज बने लोगों में कुछ जीआरपी के जवान भी शामिल हैं। वे नियम तोड़ने वालों पर चालान भी कर रहे हैं। पहले चरण में जागरूकता अभियान सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले अंधेरी और मलाड स्टेशनों पर चलाया गया। यहां 'यमराज' ने सबसे ज्यादा ऐसे लोगों को पकड़ा जो जान जोखिम में डाल कर रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। कईयों को समझा कर जाने दिया गया, जबकि कई को यमराज ने अपने स्टाइल में सजा दी।

पिछले साल औसतन 7 लोगों की रोजाना हुई मौत: एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले साल हर दिन औसतन 7 लोगों ने ट्रेन हादसों में अपनी जान गंवाई। इनमें ट्रैक पार करते समय 1,476 लोग और ट्रेन से गिरने के बाद 650 की मौत हुई थी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

फैसले से पहले: अयोध्या में...

इधर, विहिप ने राम मंदिर के लिए पत्थर तराशने का काम रोक दिया। अयोध्या पर फैसले को देखते हुए रेलवे पुलिस ने भी एडवाइजरी जारी की है। सभी जोन कार्यालयों को भेजे गए 7 पन्नों के दस्तावेज में प्लेटफॉर्म, स्टेशन और यार्ड पर खास निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही हिंसा की दृष्टि से संवेदनशील और ऐसे स्थानों की पहचान करने को कहा है, जहां असामाजिक तत्व विस्फोटक छुपा सकते हैं। अयोध्या जिले को चार जोन- रेड, येलो, ग्रीन और ब्लू में बांटा गया है। इनमें 48 सेक्टर बनाए गए हैं। विवादित परिसर, रेड जोन में स्थित है। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा योजना इस तरह बनाई जा रही है कि एक आदेश पर पूरी अयोध्या को सील किया जा सके। प्रशासन ने फैसले का समय नजदीक आने पर, अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त 100 कंपनियां मांगी हैं। इससे पहले दीपोत्सव पर यहां सुरक्षाबलों की 47 कंपनियां पहुंची थीं, जो अभी भी तैनात है। अयोध्या में विहिप के प्रवक्ता शरद शर्मा ने बताया कि राम मंदिर के लिए पत्थर तराशने का काम रोक दिया गया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब पत्थर तराशना बंद किया गया है। अब तक 1.25 लाख घनफीट पत्थर तराशा जा चुका है। अभी 1.75 लाख घनफीट पत्थर को तराशना बाकी है। पत्थर तराशने में लगे कारीगर घर लौट गए हैं। विहिप प्रवक्ता ने कहा- फैसले के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। इसके साथ ही विहिप ने अपने सभी कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए।

महाराष्ट्र में रिजॉर्ट पॉलिटिक्स...

उद्धव ने कहा कि हम भाजपा से गठबंधन तोड़ने का इरादा नहीं रखते हैं, लेकिन भाजपा को उस समझौते पर बने रहना होगा, जो लोकसभा चुनाव से पहले किया गया था। शिवसेना सांसद सुनील प्रभु ने कहा कि इन हालात में सभी विधायकों का एकसाथ रहना जरूरी है। जो भी फैसला उद्धवजी लेंगे, वह हम सभी को मंजूर होगा। एक अन्य विधायक अब्दुल सत्ता ने कहा कि अगला मुख्यमंत्री शिवसेना का ही होगा। इससे पहले भाजपा नेताओं ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की थी। राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना की बैठक की जानकारी देते हुए बताया, पार्टी की कोई भूमिका बदली नहीं है। सभी विधायकों ने एक स्वर में उद्धव ठाकरे के निर्णय को अंतिम निर्णय कहा। महाराष्ट्र के लोग चाह रहे हैं कि राज्य में सरकार जल्द बने। अगर भाजपा कहती है कि महायुति की सरकार होगी तो वह सरकार बनाने का दावा क्यों नहीं करते? वे क्यों राज्यपाल के पास से खाली हाथ लौटे हैं। सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद अगर भाजपा सरकार नहीं बना रही, इससे स्पष्ट है कि वह बहुमत नहीं जुटा पा रही है। अगर बहुमत नहीं है तो जनता के सामने आकर बताइए कि हम सरकार नहीं बना रहे। संविधान का हर पेज हमें मालूम है। संविधान किसी की जागीर नहीं है। भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार द्वारा देवेंद्र फडणवीस शिवसैनिक की तरह बताए जाने पर राउत ने कहा कि अगर वह खुद को शिवसैनिक कहते हैं तो शिवसैनिक जैसा व्यवहार भी करना चाहिए। शिवसैनिक जो कहता है वह मरते दम तक निभाता है। शिवसेना का मुख्यमंत्री कैसे बनेगा, इस सवाल पर राउत ने कहा कि यह आपको विधानसभा में देखने को मिलेगा। 56 सीटें जीतने वाली शिवसेना को अब टूट का डर सता रहा है। पार्टी के मुखपत्र सामना में शिवसेना ने कहा- कुछ लोग नए विधायकों से संपर्क कर थैली की भाषा बोल रहे हैं। पर किसानों के हाथ कोई दमड़ी भी रखने को तैयार नहीं है। राज्य में मूल्य विहीन राजनीति हम नहीं चलने देंगे। इसके लिए शिवसैनिक तलवार लेकर खड़े हैं। राउत ने कहा- भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अगर वह सरकार बनाती है तो हम देखेंगे कि आगे क्या करना है। 9 नवंबर को देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। यदि अगले दो दिनों में कोई भी पार्टी या गठबंधन सरकार नहीं बनाती है तो महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। 24 अक्टूबर को राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से राज्य में सरकार बनाने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

मुख्यमंत्री बनने की अटकलों...

इस पर उन्होंने कहा कि यह अलग मुद्दा है। महाराष्ट्र में सरकार के गठन से संघ का कोई लेना-देना नहीं है। राज्य में जल्द ही सरकार पर फैसला होगा। शिवसेना से बातचीत जारी है। इससे पहले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के नजदीकी किशोर तिवारी ने मोहन भागवत को पत्र लिखकर, नितिन गडकरी को विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी देने की बात कही थी। तिवारी ने कहा था कि गडकरी भाजपा और शिवसेना के बीच जारी गतिरोध को दो घंटे में सुलझा सकते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को दिल्ली में अमित शाह और नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। इसके बाद मंगलवार रात को उन्होंने संघ प्रमुख मोहन भागवत से भी नागपुर में लंबी चर्चा की थी।

CMYK

CMYK

मोदी-शाह ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के त्रिशूल से विपक्ष पर निशाना साध रहे: जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षियों को परेशान करने के लिए सरकारी एजेंसियों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। असम के गुवाहाटी में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रमेश ने कहा, मोदी और शाह विपक्ष पर हमले के लिए एक त्रिशूल इस्तेमाल कर रहे हैं। त्रिशूल में तीन नोंक क्या हैं? यह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग हैं। इस त्रिशूल को वे लगातार विपक्षियों पर प्रहार के लिए इस्तेमाल करते हैं। गुवाहाटी में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी

(एआईसीसी) की बैठक में रमेश ने आरोप लगाया कि अमित शाह नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएबी) का इस्तेमाल देश को बांटने के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम संसद में इस मुद्दे पर संविधान के दिखाए रास्ते के मुताबिक अपना पक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि शाह अभी असम के नहीं, बल्कि दिल्ली, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड और कर्नाटक के एनआरसी के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि असम में उका झूठ उजागर हो चुका है।

नेहरू मेमोरियल पैनल से बाहर किए जा चुके हैं रमेश: केंद्र सरकार ने मंगलवार को नेहरू मेमोरियल सोसाइटी के पुनर्गठन का आदेश जारी किया था। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश और कर्ण सिंह को पैनल से बाहर कर दिया गया था। इस पर खड़गे ने कहा कि सरकार का हर काम राजनीति से प्रेरित होता है।

'मोदी-शाह देश को बांट रहे'

रमेश ने कहा कि एनआरसी की असली रचयिता कांग्रेस थी। इसे भारतीय नागरिकों की पहचान के लिए लाया गया, लेकिन मोदी और शाह इसे देश को बांटने के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं। नागरिकता संशोधन बिल पर रमेश ने कहा कि कांग्रेस इसका विरोध करती है, क्योंकि यह एंटी सेक्युलर है और संविधान की प्रस्तावना के उलट है। उन्होंने कहा कि सीएबी संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (स्वाधीनता) का उल्लंघन है। भारत एक सेक्युलर देश है और नागरिकता संशोधन बिल उसके खिलाफ है। हमारी पार्टी संवैधानिक मूल्यों के तहत आगे बढ़ती रहेगी।

मोदी की तारीफ कर चुके हैं जयराम रमेश

कुछ दिन पहले ही जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर मोदी को हमेशा खलनायक बताया जाता रहेगा, तो आप उनका सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। वे (मोदी) ऐसी भाषा बोलते हैं, जिससे लोग जुड़ते हैं। उनके इस बयान पर कांग्रेसी नेताओं ने नाराजगी जताई थी।

रेलवे स्टेशन पर चार दक्षिण भारतीय भाषाओं में सूचना मिलेगी, हिंदी न जानने वालों यात्रियों के लिए सुविधा

उत्तर रेलवे वाराणसी स्टेशन पर दक्षिण भारतीय यात्रियों के लिए तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में सूचना से संबंधित घोषणाएं करवाएगा। इससे गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। क्षेत्रीय कैंट स्टेशन के निदेशक आनंद मोहन सिंह ने गुरुवार को बताया कि इसके लिए मौजूदा प्रणाली अपग्रेड की जा रही है। सिंह ने कहा- चारों दक्षिण भारतीय भाषाओं में सूचनाएं रिकार्ड की जा रही है। इसके बाद उड़िया और मराठी भाषा में भी अनाउंसमेंट करने पर विचार होगा। फिलहाल केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सूचना दिए जाने से कई अहिंदी भाषी राज्यों के यात्रियों को ट्रेनों से जुड़ी जानकारी समझ नहीं आती। ऐसे यात्री दूसरों से हिंदी में बात नहीं कर पाते। उनकी बात समझ भी नहीं पाते। ऐसे में उनकी ट्रेन भी छूट जाती है। दक्षिण भारतीय राज्यों के लोग काफी संख्या में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए बनारस आते हैं। वाराणसी स्टेशन पर एक हेल्प डेस्क भी बनाया गया है।

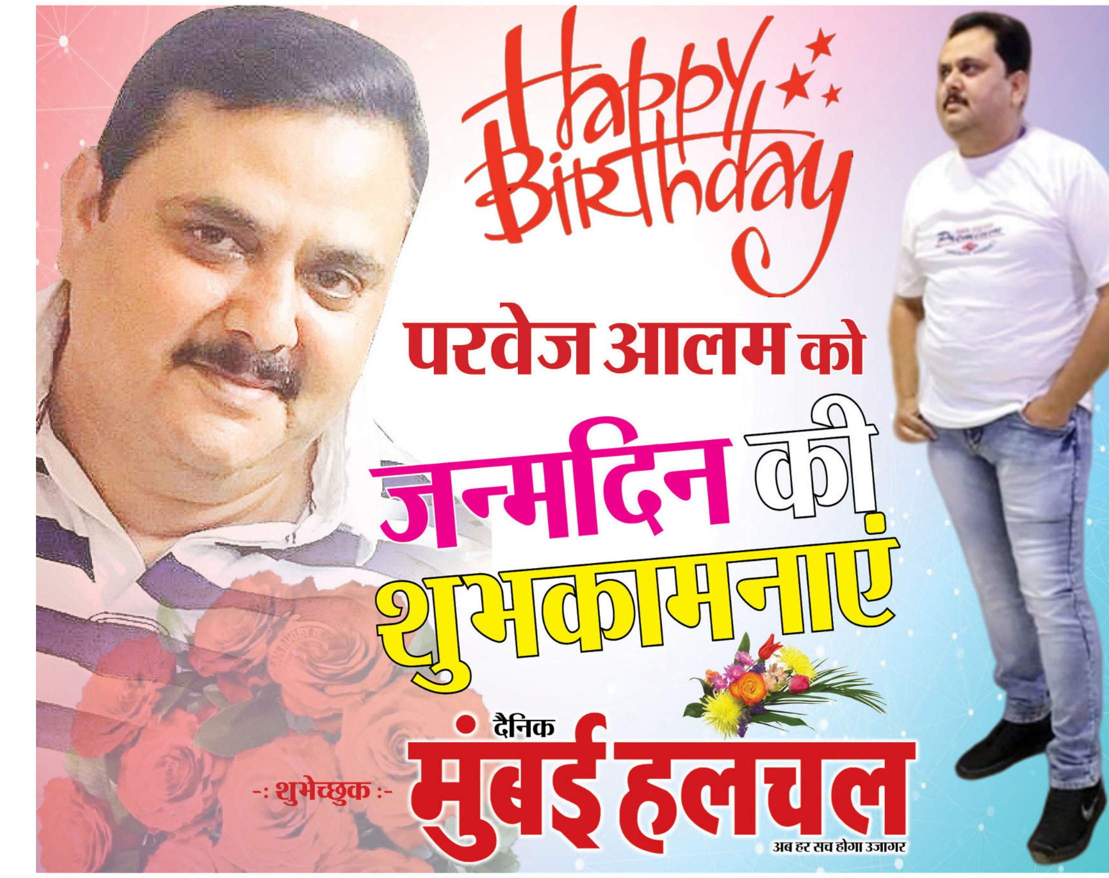

प्रियंका ने कहा- 'हाउडी मोदी' के बावजूद अमेरिका में...

भारतीयों के सबसे ज्यादा एच-1बी वीजा आवेदन रद्द

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को एच-1बी वीजा आवेदन रद्द किए जाने की रिपोर्टों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। बुधवार को आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन की सख्त नीतियों के कारण अमेरिका में भारतीय आईटी कंपनियों का एच-1बी वीजा आवेदन सबसे ज्यादा रद्द किया गया। प्रियंका ने ट्वीट किया- प्रधानमंत्री जी ने अमेरिका जाकर अपनी 'हाउडी मोदी' तो कर आए, लेकिन अमेरिका ने वहां काम करने की इच्छा रखने वाले भारतीय लोगों के एच-1बी वीजा खारिज करने में बढ़ोत्तरी कर दी। भाजपा सरकार से ये सवाल तो सबको पूछना चाहिए कि उसके कार्यकाल में किसकी भलाई हो रही है। दूसरे ट्वीट में उन्होंने कहा कि देश में अर्थव्यवस्था की हालत एकदम पतली है। सेवा क्षेत्र औंधे मुंह गिर चुका है। रोजगार घट रहे हैं। शासन करने वाला अपने में ही मस्त है, जनता हर मोर्चे पर त्रस्त है। अमेरिकी थिंक टैंक नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक, वीजा रद्द करने की दर 2015 में जहां 6% थी, वहीं वर्तमान वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 24% पर पहुंच गई। यह रिपोर्ट यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है।

एच-1 बी वीजा विदेशी कर्मचारियों को जारी किया जाता है

एच-1 बी वीजा गैर-आव्रजक वीजा है। यह वीजा अमेरिकी कंपनियां द्वारा उन विदेशी कर्मचारियों को जारी किया जाता है, जिन्हें विशिष्ट योग्यता वाले कर्मचारी की आवश्यकता होती है। तकनीकी क्षेत्र की कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से लाखों कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इस पर निर्भर होती है। अध्ययन में सामने आया कि ट्रम्प प्रशासन ने भारतीय कंपनियों को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया और यहां की कंपनियों का एच-1बी वीजा आवेदन सबसे ज्यादा रद्द किए गए।

10 नवंबर को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले को लेकर नई दिल्ली में रविवार को बैठक करेगी। कोर्ट 17 नवंबर से पहले कभी भी फैसला सुना सकती है। इसके साथ ही 18 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों और आर्थिक मंदी को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

कैनवस पर प्रकृति का प्रतिबिम्ब दर्शानेवाली प्रदर्शनी

मुंबई, सूर्योदय, सूर्यास्त, वृक्ष, पहाड़ आदि प्रकृति के विभिन्न रूप या घटक हम सभी देखते हैं। किन्तु एक सर्जनशील चित्रकार इन्हें एक अलग दृष्टि से देखता है। इन घटकों का उसके मन पर पडनेवाला प्रभाव, उसे भाया हुआ कोई आकार, उसे लुभानेवाला कोई रंग, अच्छा लगा हुआ कोई पोत उसके मन में विशिष्ट सम्वेदना जगाते हैं। विभिन्न स्थानों पर, विभिन्न मनोदशाओं में अनुभूत हुई इन सम्वेदनाओं को कैनवस पर प्रतिबिम्बित करते समय उस कलाकार के व्यक्तित्व, मानसिकता एवं कौशल भी अभिव्यक्त होते हैं। सुप्रसिद्ध चित्रकार एवं लेखिका ज्योत्स्ना कदम इनकी 'नेचर स्पिरीट्स' इस प्रदर्शनी में रखे प्रत्येक चित्र में इस बात का प्रमाण मिलता है। उनके बनाए चित्रों का आस्वाद कलाप्रेमीयों ने कई प्रदर्शनीयों द्वारा लिया है। उनके चित्र देशविदेशों के कला संग्राहकों संग्रह में समाविष्ट हैं। ज्योत्स्ना जी के पती और सर ज.

जी. कला महाविद्यालय के भूतपूर्व अधिष्ठाता तथा सुप्रसिद्ध कला शिक्षक एवं विचारक प्रा. स्व. संभाजी कदम इनके जन्मदिवस पर यानी ५ नवम्बर को इस प्रदर्शनी का शुभारंभ होना एक अलग तथा हृदय संयोग है। प्रदर्शनी का उद्घाटन कलाप्रेमी उद्योमी और ग्रेट ईस्टर्न होम के निदेशक डॉ. अनुराग कानोरिया, माधवबाग के संस्थापक निदेशक डॉ. रोहित साने, सीईटी सेल के आयुक्त श्री. संदीप कदम (भाप्रसे), महाराष्ट्र राज्य के कला निदेशक श्री. राजीव मिश्र, वरिष्ठ चित्रकार एवं NGMA की सलाहकार समिती के अध्यक्ष श्री. विलास शिंदे, सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट के अधिष्ठाता प्रा. विश्वनाथ साबळे और कई कलाप्रेमीयों की उपस्थिती में जहांगीर कला दालन में सम्पन्न हुआ। ॲक्रिलिक माध्यम में साकार किए गए इन चित्रों में रंगों का किया गया प्रयोग आत्यंतिक अनुपम और आकर्षक दिखाई देता है। लाल, नीला, हरा, पीला ऐसे चमकदार रंगों के साथ ही काले, भूरे और स्लेटी रंगों के प्रयोग से युक्त ये चित्र कभी तो मन को आनंदित करते हैं और कभी विचार करने को बाध्य करते हैं। ज्योत्स्ना कदम की संगीत विषय की जानकारी और ताल पर उनकी हुकुमत उनके रंगलेपन में भी महसूस होती है। बिना शीर्षक के उनके चित्रों को किसी एक समान विषय सूत्र (थीम) में नहीं बांधा जा सकता। प्रस्तुत चित्र श्रृंखला में ज्योत्स्ना कदम इनके मनन से प्रकृति के विभिन्न घटकों का उभरा हुआ प्रतिबिम्ब दिखाई देता है।

कौन ध्यान देगा किसानों की आत्महत्या और उनकी बेवाओं का?

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र में सीएम पद की कुर्सी के लिए भाजपा और शिव सेना में खींचतान की स्थिति बनी हुई है। हो सकता है कि देवेन्द्र फडनवीस ही दोबारा सीएम बन जाएं या हो सकता है कि इस बार मौका आदित्य ठाकरे को मिल जाऐ सीएम जो भी हो, पर लगता नहीं कि महाराष्ट्र में महिलाओं की स्थिति बेहतर हो सकेगी महाराष्ट्र के गांवों की जहां की महिलाएं सालों से दयनीय स्थिति में जीवन जीने को मजबूर हैं। महाराष्ट्र में कर्ज में डूबे किसान आत्महत्या कर परिवार को रोता बिलखता छोड़ परलोक सिधार जाते है पर किसी ने यह नहीं सोचा है की उनकी बेवाओं का क्या होता है। कुछ मामले महिलाओं की ताजा स्थिति और उसपर सरकार की अनदेखी की पोल खोल रहे है। भले ही एक किसान आत्महत्या करता हो लेकिन उस मौत से उसका पूरा परिवार प्रभावित होता है। महाराष्ट्र में मराठवाड़ा में सबसे ज्यादा सूखा पड़ता है और इस इलाके को किसानों का सुसाइड झोन भी कहा जाता है। पिछले 5 सालों में 14000 किसानों ने महाराष्ट्र में आत्महत्या की और आत्महत्या के ये मामले मराठवाड़ा से सबसे ज्यादा थे किसान के आत्महत्या करने की खबर अखबारों में तो छप जाती हैं लेकिन खबरों में ये नहीं छपता कि आत्महत्या के बाद उन किसानों के परिवार का क्या होता है, उनके घर में चूल्हा कैसे जलता है। कर्ज में डूबा किसान आत्महत्या तो कर लेता है लेकिन उसकी मौत के बाद परेशानियों का सारा बोझ उसके परिवार को उठाना पड़ता है। कर्ज तो चुकाना ही होगा, बेटा बड़ा हो तो वो चुकाएगा नहीं तो किसान की बेवा पत्नी को कुछ भी करके कर्ज चुकाना होगो कल्पना कीजिए ऐसे किसी परिवार की, कि एक किसान की बेवा को किन मुश्किलों के साथ परिवार को पालना होता होगो लेकिन ऐसे मामलों में सरकार कुछ को सरकारी मदद देकर फ्री हो जाती है लेकिन कुछ को कोई मदद नहीं मिलती जनवरी से मर्च 2019 तक 610 किसानों ने आत्महत्या की इनमें से 192 मामलों में ही सरकारी मदद 1 लाख की गई। आज जितनी जद्दोजहद महाराष्ट्र के नेता कुर्सी के लिए कर रहे हैं, अगर उसकी आधी मेहनत भी किसानों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं तथा उनकी बेवा महिलाओं की दशा सुधारने में की गई होती तो इस किसानों के परिवारों ने वोटों के माध्यम से शुक्रिया कहा होतो फिर न गठबंधन की नौबत आई होती और न ऐसे हालात होते।

CMYK

CMYK

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नतीजे बदलने को माया ने बदली रणनीति

लखनऊ। विधानसभा उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद बसपा अध्यक्ष मायावती ने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। चुनावी नतीजों और संगठन की समीक्षा के दौरान बुधवार को मायावती ने कोऑर्डिनेटर, मंडल और जोन व्यवस्था भंग कर सेक्टर व्यवस्था लागू करने का ऐलान किया है। बसपा प्रदेश कार्यालय पर हुई बैठक के दौरान तय किया गया कि पार्टी उत्तर प्रदेश को चार सेक्टरों में बांटकर काम करेगी। बसपा सुप्रीमो ने सभी पदाधिकारियों से कहा है कि बूथ कमिटियों को मजबूत करें।

बसपा में अब पांच-पांच मंडलों के दो सेक्टर और चार-चार मंडलों के दो सेक्टर बनाए गए हैं। पहले सेक्टर में लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर और मेरठ हैं। दूसरे सेक्टर में आगरा, अलीगढ़, कानपुर, चित्रकूट और झांसी शामिल हैं। तीसरे सेक्टर में इलाहबाद, मीरजापुर,

फैजाबाद, देवीपाटन और चौथे सेक्टर में वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर और बस्ती मंडल शामिल हैं। बसपा प्रदेश अध्यक्ष का पद पहले की तरह बना रहेगा। यह जिम्मेदारी मुनकाद अली के पास ही रहेगी।

मायावती ने बैठक के दौरान अमरोहा के सांसद दानिश अली को लोकसभा में बसपा संसदीय दल का नेता बनाए जाने का ऐलान किया। दानिश को पहले भी संसदीय दल का नेता बनाया गया था, लेकिन अगस्त में उन्हें हटाकर जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव को यह जिम्मेदारी दे दी थी। पिछले दिनों श्याम सिंह यादव सपा के जिला कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में चले गए थे। मायावती इससे नाराज थीं।

बैठक के दौरान पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उपचुनाव में मिली हार की समीक्षा की। जलालपुर विधानसभा में हार के कारणों पर रिपोर्ट भी तलब की। यूपी में हुए उपचुनाव में बसपा एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

सपा पर हमला, मुस्लिम वोटों पर नजर

मायावती ने गठबंधन की साथी रही सपा पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बसपा के दलित-मुस्लिम गठजोड़ से बीजेपी और सपा घबराए हुए हैं और बसपा का मनोबल गिराने की चाल चल रहे हैं। सपा ने प्रचार किया कि बसपा के मुसलमानों को टिकट देने से भाजपा को लाभ मिलेगा, लेकिन बसपा मुस्लिम समाज को अहमियत देने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है। दरअसल, उपचुनाव में पहली बार उतरी बसपा को अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा। अल्पसंख्यक समुदाय के वोटरों की पहली पसंद सपा ही रही। इससे मायावती की चिंता बढ़ गई है।

लोकतंत्र शासन का बेहतर स्वरूप : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर 6 से 8 नवंबर तक दिल्ली युवा संसद का आयोजन किया जा रहा है। इसका मकसद युवाओं को विधानसभा की विभिन्न विधायी प्रक्रियाओं से रूबरू कराना है।

सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में डीयू के विभिन्न कॉलेज के स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र शासन का सबसे बेहतर स्वरूप है। दिल्ली सरकार जनता के प्रत्यक्ष शासन के पक्ष में है, लेकिन दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है। इस कारण दिल्ली सरकार के पास सीमित शक्तियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूथ संसद में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स को विधानसभा के कामों को समझने का मौका मिल रहा है। यह पहली बार है जब बाहरी लोगों को विधानसभा भवन में प्रवेश करने की इजाजत दी गई है। केवल निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही विधानसभा भवन में आने की मंजूरी होती है। अधिकारियों को भी विजिटर्स गैलरी में बिठाया जाता है।

केजरीवाल ने कहा, 'मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से हूं और दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 2015 में कई विधायी प्रक्रियाओं को नहीं जानता था। फिर धीरे-धीरे काम करते-करते जानकारी हुई। इस कार्यशाला में छात्र संसदीय शासन प्रणाली के बारे में जानेंगे, जो हमारे देश में शासन की आत्मा है।' उन्होंने कहा कि शासन के हर रूप में खामियां हैं, लेकिन लोकतंत्र को सबसे अच्छा माना जाता है। लोकतंत्र में राष्ट्रपति और संसदीय स्वरूप में शासन होता है। हमारे पास संसद में विभिन्न विभागीय समितियां भी हैं, जो विभिन्न विभागों के समुचित कार्य को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श और बैठकें करती हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति और संसदीय दोनों शासन के अप्रत्यक्ष रूप हैं। जनता अपने प्रतिनिधि का 5 साल के लिए चुनाव करती है। शासन में कुशल नहीं होने पर जनता 5 साल बाद हटा सकती है। मगर, आप पांच साल की अवधि के लिए उनके शासन को सहन करने के मजबूर होते हैं। सीएम ने उदाहरण दिया, 'मैं स्थानीय मुद्दों के बारे में बात करूं तो सरकार एक विशेष क्षेत्र में सड़क नवीनीकरण पर खर्च कर सकती है, जहां इसकी जरूरत भी नहीं है। दूसरी ओर, अगर किसी दूसरे क्षेत्र में सड़क के नवीनीकरण की तुलना में पानी की अधिक जरूरत है, तो यह सरकार को तय करना है कि पहले क्या काम करना है।

महिला के नाम से फेसबुक पर बनाई सेक्स चैट प्रोफाइल

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में रहने वाली एक महिला तब हैरान रह गई जब अनजान लोगों के अश्लील कॉल और सेक्स चैट उसके पास आने लगे। इससे परेशान होकर उसने साइबर क्राइम पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत लिख ली है और अज्ञात शख्स को खोज निकालने की कवायद जारी है। अपनी शिकायत में अहमदाबाद के नरोल इलाके की इस 33 वर्षीय गृहणी ने एक अज्ञात शख्स पर आरोप लगाया है कि उसने फेसबुक पर उसके नाम का एक पेज बनाया और इस प्रोफाइल से उसके पति और दूसरे रिश्तेदारों को अश्लील फोटो भेज रहा है।

पीडिता का कहना है कि इसी प्रोफाइल के जरिए पहले इस अज्ञात शख्स ने उसे वडोदरा रेलवे स्टेशन आने के लिए कहा था। इसके अलावा वह शख्स महिला से उसके अश्लील विडियो भेजने की मांग करके उससे परेशान कर रहा था। जब उस महिला ने इनकार कर दिया तो उसने फेसबुक प्रोफाइल का नाम महिला के नाम पर रख दिया। इतना ही नहीं उस शख्स ने महिला का फोन नंबर भी फेसबुक पेज पर पोस्ट कर दिया साथ ही यह मेसेज भी पोस्ट किया।

गुजरात सरकार ने मुख्यमंत्री, वीआईपी की यात्रा के लिए 191 करोड़ रुपये का विमान खरीदा

अहमदाबाद। गुजरात की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री जैसी विशिष्ट हस्तियों की यात्रा के लिए 191 करोड़ रुपये के विमान को आखिरकार खरीद लिया है। इस विमान की खरीद प्रक्रिया पांच साल पहले शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि दो इंजन वाला भव्य ह्वबॉम्बार्डियर चैलेंजर 650ह्न विमान अगले दो हफ्ते में मिल जाएगा। नये विमान में 12 यात्री सवार हो सकते हैं और इसकी फ्लाइंग (उड़ान) रेंज करीब 7,000 किलोमीटर है, जो वर्तमान विमान ह्वबीचक्राफ्ट सुपर किंगह्न से बहुत अधिक है। बीचक्राफ्ट सुपर किंग विमान का इस्तेमाल पिछले 20 वर्षों से मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य हस्तियों की यात्रा के लिया किया जा रहा है। यह विमान करीब 870 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार

से उड़ान भर सकता है। एक अन्य अधिकारी ने बताया, यह विमान इस महीने के तीसरे हफ्ते में हमें मिल जाएगा। इसकी खरीददारी से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है।

मुस्लिम धार्मिक नेताओं से क्यों मिल रहे हैं चंद्रशेखर

नई दिल्ली। वाल्मीकि मंदिर मामले में जमानत पाने के बाद भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद ने दिल्ली नहीं छोड़ी है। दिल्ली उन्हें रास आ गई है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं से मुलाकातें शुरू कर दीं और उनके धार्मिक स्थलों तक पहुंच बना ली है।

चंद्रशेखर की मुलाकात सोमवार को मौलाना कल्बे जव्वाद से एक धर्म संसद में होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील महमूद प्राचा इनके बीच की कड़ी बने हैं। चंद्रशेखर बुधवार को साउथ दिल्ली में दरगाह शाह-ए-मर्दा जोरबाग में हजरत अली के रोजे पर पहुंचे। वहां प्रणाम किया, प्रसाद लिया। फोटो खिंचवाने से परहेज नहीं किया।

एनबीटी ने उनसे इस घटनाक्रम के बारे में जब पूछा तो उन्होंने बेबाकी से कहा कि हम दलितों और मुस्लिमों की लड़ाई लड़ने वाला कोई नहीं है। मैं सभी मुस्लिम

नेताओं से मिलकर एक नया दलित मुस्लिम ओबीसी कोऑलिशन (संयुक्त मोर्चा) खड़ा करना चाहता हूं। हमारी भीम आर्मी इस पर लगातार काम कर रही है। हमने तबरेज अंसारी का मामला उठाकर मॉब लिंचिंग का सबसे ज्यादा विरोध किया था।

यह पूछे जाने पर यूपी विधानसभा उपचुनाव के नतीजों को वह किस तरह देख रहे हैं, चंद्रशेखर ने कहा कि बीएसपी सुप्रीमो मायावती की राजनीति की पोल खुल गई है। उन्हें न सिर्फ दलितों बल्कि सर्व समाज ने ठुकरा दिया है। यह बहुत ही अफसोसनाक बात है कि जिन संघर्षों से हमारे बुजुर्गों ने बहुजन समाज को खड़ा किया था, उसे मायावती ने बर्बाद कर दिया। इसलिए मेरी राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है ताकि जिस बहुजन समाज को मायावती ने मँझधार में छोड़ दिया है, मैं उसे फिर से संगठित करूँ। दिल्ली में मेरी तमाम राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक नेताओं से मुलाकात उसी मुहिम का हिस्सा है।

स्मृति मंधाना का वेस्टइंडीज में धमाका, तूफानी पारी से बरसाए रिकॉर्ड

नार्थ साउंड (एंटीगा)। महिला टीम ने तीसरा और अंतिम वनडे 6 विकेट जीतामंधाना ने 63 गेंदों में 74 रनों की जोरदार पारी खेली

'कमबैक गर्ल' स्मृति मंधाना और जेमिमाह रॉड्रिग्स के अर्धशतकों की बदौलत भारतीय महिला टीम ने सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच छह विकेट जीत लिया। इसके साथ ही मिताली राज की कप्तानी में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज 2-1 से जीत ली।

पैर के अंगूठे की चोट की वजह से सीरीज के पहले दो मैच से बाहर रहीं मंधाना ने 63 गेंदों में 74 रनों की पारी (9 चौके, 3 छक्के) खेली। उन्होंने साथी सलामी बल्लेबाज रॉड्रिग्स (92 गेंदों में 69 रन) के साथ 141 रनों की साझेदारी कर कैरेबियाई आक्रमण को धो डाला। मंधाना और जेमिमाह की जोरदार साझेदारी के सहारे भारतीय टीम ने 42।1 ओवरों में 195 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी सटीक गेंदबाजी से मेहमान टीम को 50 ओवरों में 194 रनों पर समेट दिया था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कैरेबियाई टीम को अनुभवी झूलन गोस्वामी (2/30) और लेग स्पिनर पूनम यादव (2/35)ने 2-2 झटके दिए।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे में सबसे तेज 2,000 रन बनाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज बन गई हैं। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में तीसरे और आखिरी वनडे मैच में यह उपलब्धि हासिल की। 23 साल की मंधाना ने 2,000 रन बनाने के लिए 51 पारियां लीं। इसी के साथ वह विश्व में सबसे तेज दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गई हैं। उनसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क (41 पारियां) और मेग लेनिंग (45 पारियां) है। वनडे में मंधाना ने अब तक 51 वनडे मुकाबलों में 43।08 की औसत से 2,025 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। मंधाना के अलावा शिखर धवन ही केवल ऐसे भारतीय हैं, जिनके नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज दो हजार रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 48 पारियों में यह कीर्तिमान स्थापित किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने वनडे में लगातार 9वीं बार 50+ की पारी खेली है। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 2015-2017 के दौरान चेज करते हुए लगातार 9 बार 50+ का स्कोर किया था। मंधाना ने 2018 में अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए 67, 52, 86, 53*, 73*, 105 90*, 63, 74 रनों की पारियां खेली हैं।

केपीएल फिक्सिंगः बेल्लारी के दो खिलाड़ी गिरफ्तार, आईपीएल खेल चुके सीएम गौतम भी शामिल

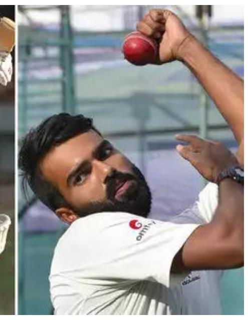

बेंगलुरु। कर्नाटक प्रीमियर लीग (केपीएल) में हुई फिक्सिंग मामले में दो और क्रिकेटरों की गिरफ्तारी की बात सामने आ रही है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (जो पिछले दो सीजन में हुई फिक्सिंग के मामलों की जांच कर रही है) द्वारा गिरफ्तार किए गए दो क्रिकेटर फ्रैंचाइजी बेल्लारी से हैं और उनके नाम- सीएम गौतम और अबरार काजी है। गौतम टीम के कप्तान है, जबकि काजी विकेटकीपर बल्लेबाज। इन्हें केपीएल में फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इस मामले में 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले फ्रैंचाइजी बेंगलुरु ब्लास्टर्स के गेंदबाजी कोच विनू प्रसाद और बल्लेबाज विश्वनाथ को 26 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। कोच पर आरोप है कि उसने सट्टेबाजों के साथ मिलकर बेलागवि पैंथर्स के खिलाफ खेले गए एक मैच को फिक्स किया था।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) संदीप पाटिल ने ने इस बारे में कहा, ह्यहमनें दो क्रिकेटरों को गिरफ्तार किया है। उनपर केपीएल के दौरान मैच फिक्सिंग के आरोप हैं।' जांच में शामिल एक अधिकारी ने बताया उन्हें स्लो बैटिंग केलिए 20 लाख रुपये सहित कई चीजे मिली थीं। इसके अलावा उन लोगों ने बेंगलुरु के खिलाफ मैच भी फिक्स किया था। उल्लखेनीय है कि गिरफ्तार किए गए क्रिकेटर गौतम और काची घरेलू टूर्नामेंट के अलावा आईपीएल भी खेल चुके हैं। आरोपी गौतम घरेलू क्रिकेटर में पहले कर्नाटक के लिए खेलता था, लेकिन इस सीजन के लिए गोवा से जुड़ा है। वह आईपीएल में आरसीबी, मुंबई इंडियंस और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुका है। दूसरी ओर काजी मिजोरम टीम से खेलता है। दोनों क्रिकेटरों का नाम अपनी-अपनी राज्य टीम का हिस्सा भी थे, जिन्हें शुक्रवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्तक अली ट्रोफी में खेलना था।

15 साल के गेंदबाज का कहर, अकेले चटकाए पारी के सभी 10 विकेट

तेजपुर (असम), । भारत के अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट विजय मर्चेंट ट्रॉफी में मेघालय के गेंदबाज निर्देश बैसोया ने बुधवार को एक पारी में पूरे 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। निर्देश ने असम वैली स्कूल ग्राउंड में नगालैंड के खिलाफ खेले गए मैच में यह उपलब्धि हासिल की।

मैच के पहले दिन पहली पारी खेलने उतरी नगालैंड टीम के बल्लेबाज निर्देश के सामने टिक नहीं सके और लगातार विकेट खोते गए। मेरठ से ताल्लुक रखने वाले 15 साल के निर्देश मेघालय के लिए एक गेस्ट बॉलर के रूप में खेलते हैं। उन्होंने 21 ओवरों में 51 रन देकर सभी 10 विकेट झटके। इसमें उन्होंने 10 मेडन ओवर भी डाले।

ऑफ स्पिनर निर्देश ने विकेट लेने की शुरूआत पारी के 10वें ओवर की तीसरी गेंद से की। इस ओवर में उन्होंने सावलिन कुमार मलिक को आउट किया। मलिक 29 गेंद खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए। यहां से जो विकेटों का सिलसिला शुरू हुआ वो 42वें ओवर की आखिरी गेंद पर रुका। निर्देश ने हुटो तोशिहो अचहुमी को आउट कर अपने 10 विकेट पूरे किए और नगालैंड को 113 रनों पर ढेर कर दिया।

नगालैंड की तरफ से श्रवण नागा रवि ने 112 गेंदों का सामना कर सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। केदुवहेतु के खेरेइबू ने 20, रोहन यशपाल पारचंदा ने 16 और सुजाल शंकर प्रसाद ने 14 रनों का योगदान दिया। गेंद के बाद निर्देश ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 100 गेंदों पर 68 रन बनाए। उनके इस योगदान के दम पर मेघालय ने दिन का अंत चार विकेट के नुकसान पर 109 रनों के साथ किया। आईएएनएस से बात करते हुए निर्देश बेहद खुश नजर आए।

उन्होंने कहा, 'मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है। मैं पैदा भी नहीं हुआ था, जब अनिल कुंबले ने 10 विकेट चटकाए थे, लेकिन मैंने उस बारे में बहुत सुना है। मैं हमेशा वैसा कुछ करना चाहता था, लेकिन कभी यह नहीं सोचा था कि यह मेरी जिंदगी में इतनी जल्दी हो जाएगा। मैंने अभी अपने परिवार से बात की और वे भी भावुक हो उठे।'

भारतीय अंडर-19 फुटबाल टीम उज्बेकिस्तान से 0-2 से हारी

अल खोबार (सऊदी अरब)। भारत की 2020 एएफसी अंडर-19 फुटबाल चैंपियनशिप क्वालीफाइंग में शुरूआत निराशाजनक रही और उसे बुधवार को यहां पहले मैच में ही उज्बेकिस्तान से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी लेकिन उज्बेकिस्तान दूसरे हाफ में दो गोल करने में सफल रहा। भारत ने पहले हाफ में कुछ अच्छे मौके गंवाये। इस बीच उज्बेकिस्तान ने भी कुछ अवसरों पर अच्छे हमले किये।

उज्बेकिस्तान की तरफ से 53वें मिनट में खोशिमोव उलुगबेक ने पहला गोल किया जबकि इसके कुछ देर बाद ओलिमजोनोव मुजफ्फर ने दूसरा गोल दागा। भारत अपना दूसरा मैच शुक्रवार को इसी स्थल पर सऊदी अरब के खिलाफ खेलेगा।

एआईटीए बनाम महेश भूपतिः महासंघ ने कहा- रोहित राजपाल ही हैं कप्तान

कोलकाता। महेश भूपति बेशक यह मानने को तैयार नहीं हैं कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ भारत की डेविस कप टीम के नॉन प्लेइंग कैप्टन के पद से हटा दिया गया है, लेकिन अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने बुधवार को साफ कर दिया है कि संघ का रोहित राजपाल को कप्तान नियुक्त करने का फैसला बरकरार रहेगा। एआईटीए के महासचिव हिरनमॉय चटर्जी ने आईएएनएस से कहा, पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले डेविस कप मुकाबले की जहां तक बात है तो इस मैच के लिए कप्तान को लेकर कोई बदलाव नहीं होगा।

चटर्जी ने बताया कि भूपति का करार पहले ही खत्म हो चुका है और इटली के खिलाफ फरवरी में कोलकाता में खेले गए मैच में उनके कार्यकाल को विस्तार दिया गया था।

उन्होंने कहा, उनका करार 2018 में ही खत्म हो गया था। उन्होंने अपने आप को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध नहीं बताया था, इसलिए हमने उन्हें बदल दिया। एआईटीए ने सोमवार को रोहित राजपाल को टीम का कप्तान बनाया था। भारत और पाकिस्तान के इस मैच को लेकर काफी विवाद रहा।

भारतीय महिलाओं ने दूसरे फीफा मैत्री मैच में वियतनाम से ड्रा खेला

हनोई। भारतीय महिला फुटबाल टीम ने बुधवार को यहां दूसरे फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मेजबान वियतनाम से 1-1 से ड्रा खेला। थाई थि थाओ ने 39वें मिनट में गोल कर मेजबानों को आगे कर दिया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने रंजना चानू के 57वें मिनट में किये गये गोल की मदद से बराबरी हासिल की। भारतीय टीम पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में 0-3 से हार गयी थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'दबंग 3' नहीं बल्कि इस मूवी से डेब्यू करेंगी अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया ऐंड्रियानी

सलमान खान के भाई अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया ऐंड्रियानी बीटाउन में एंट्री करने जा रही हैं। पहले कहा जा रहा था कि उनका बॉलिवुड डेब्यू 'दबंग 3' से होगा, लेकिन अब सामने आया है कि जॉर्जिया का डेब्यू सलमान की फिल्म से नहीं बल्कि श्रेयस तलपड़े स्टारर मूवी से होगा। जानकारी के मुताबिक, श्रेयस तलपड़े के साथ जॉर्जिया मूवी 'वेलकम टू बजरंगपुर' में स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इसका ऑफिशल अनाउंसमेंट भी जल्द होगा। इस फिल्म में संजय मिश्रा और शरद सक्सेना भी हैं। वहीं तिग्मांशु धूलिया भी इसमें मजेदार किरदार निभाते दिखाई देंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो जॉर्जिया फिल्म में एक ऐसी महिला का किरदार निभाएंगी जो विदेश से गांव में आती है। जहां उसकी मुलाकात श्रेयस तलपड़े और अन्य के किरदारों से होती है। यह मूवी साल 2008 में आई 'वेलकम टू सज्जनपुर' की ही फ्रेंचाइज है। पहली फिल्म में श्रेयस के साथ अमृता राव लीड रोल में थीं।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर नहीं करना चाहते शादी

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा का अफेयर किसी से छिपा नहीं है। खुद दोनों स्टार्स ने अपने रिलेशनशिप को छिपाने की कोशिश भी नहीं की। हाल ही में अर्जुन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए मलाइका के प्रति प्यार को और भी पुख्ता कर दिया था। दोनों की शादी की चर्चाएं भी काफी लंबे वक्त से हैं। हाल ही में अर्जुन ने मलाइका संग अपनी शादी पर खुलकर बात की। हालांकि उन्होंने कहा कि वे दोनों शादी नहीं करना चाहते और अगर करेंगे तो सभी को आमंत्रित करेंगे।

अर्जुन ने आगे कहा कि उनकी फैमिली में रिवाज रहा है कि शादी खूब शानो-शौकत और धूमधाम से की जाती है। इसलिए उनकी शादी भी चोरी-छिपे नहीं की जाएगी। वहीं मलाइका ने हाल ही में नेहा धूपिया के शो 'नो फिल्टर नेहा' पर अर्जुन संग अपने रिश्ते और शादी पर बात की थी। मलाइका ने कहा कि उनका सपना है कि वह अपनी शादी में लेबनानी डिजाइनर एली साब का वाइट गाउन पहनें। उन्होंने यह भी कहा था कि वह एक बीच पर शादी करना चाहेंगी। अब अर्जुन और मलाइका वास्तव में कब शादी करेंगे, यह तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा। फिलहाल तो दोनों ही शादी के मूड में नहीं हैं। अर्जुन इन दिनों अपने करियर पर फोकस रहे हैं। जल्द ही उनकी फिल्म 'पानीपत' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके अलावा कृति सेनन और संजय दत्त भी नजर आएंगे।

मीडिया के सामने वरुण ने की सारा की नकल

वरुण धवन और सारा अली खान जल्द ही फिल्म 'कुली नंबर 1' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इन दोनों के बीच की शानदार ट्यूनिंग की झलक समय-समय पर सामने आने वाले सेट और शूटिंग से जुड़े विडियो व फोटोज में देखी जा सकती है। वरुण अपनी को-स्टार सारा को टीज करने से भी पीछे नहीं रहते हैं और इसका भी एक एग्जाम्पल हाल ही में देखने को मिला। दरअसल, वरुण और सारा फिल्म 'बाला' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे थे। यहां दोनों ने मीडिया को ग्रीट किया और उनके कैमरे के लिए साथ में पोज भी दिए। इस दौरान वरुण ने पहले तो सारा को टीज करते हुए उनके सिर पर उंगलियों से सींग बनाएं, जिस पर ऐक्ट्रेस ने उन्हें जब घूरकर देखा तो उन्होंने हाथ नीचे कर लिया। लेकिन वरुण इतने पर ही नहीं रुके। सारा अली खान ने जैसे ही अपनी पीठे घुमाई वैसे ही वरुण उनका मीडिया को ग्रीट करने वाला पॉप्युलर नमस्ते वाले स्टाइल की कॉपी करने लगे। इस पर सारा की नजर जैसे ही गई वह हैरान रह गईं और उन्होंने वरुण से हंसते हुए ऐसा न करने के लिए कहा। बता दें कि, फिल्म 'कुली नंबर 1' इसी नाम की गोविंदा स्टारर हिट फिल्म की रीमेक है। इसे मई 2020 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।